आदरणीय महोदय,

कुशल शासन के लिए 108 निम्न जन उपयोगी बातों को अपनाना अति आवश्यक है :–

कुशासन को शासन में बदलने के लिए 108 मंत्र–यंत्र

(1)- सुदृढ़ यातायात व्यवस्था।
(2)- प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था।
(3)- गडढा मुक्त सडकें।
(4)- मजबूत बिजली व्यवस्था।
(5)- 24 घंटे गांव–गांव व पहाडों तक आवागमन।
(6)- प्रदुषण मुक्त नदियां।
(7)- सभी के लिए समान शिक्षा।
(8)- सुविधापूर्ण शिक्षा व्यवस्था।
(9)- प्रैक्टिकल जीवन उपयोगी ट्रेनिंग मय शिक्षा।
(10)- प्रभावी हरियाली।
(11)- पानी निकासी।
(12)- शुद्व पेय जल व्यवस्था।
(13)- नारी सशक्तिकरण।
(14)- रूढिवादिता व अंधविश्वास का समापन।
(15)- धर्म के नाम पर अधर्म पर पूर्ण विराम।
(16)- बेटा–बेटी एक समान।
(17)- जीने के लिए खाना खाने के लिए नही जीना।
(18)- जरूरतमंदो की उनकी जरूरत अनुसार हर संभव मदद।
(19)- बडो का सम्मान।
(20)- प्राकृतिक चिकित्सा को प्राथमिकता।
(21)- संसाधनों का सदुपयोग।
(22)- पहले देश के लिए फिर क्षेत्र के लिए फिर अपने लिए।
(23)- कमाई का कुछ हिस्सा जरूरतमंदो के लिए निकाले।
(24)- अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखें।
(25)- पुलिस–प्रशासन को राजनैतिक मोहरा न बनायें।
(26)- अपनी वाणी पर नियत्रंण रखें।
(27)- कम बोलना स्पष्ट बोलना समय पर बोलना।
(28)- पूजा एक योग हैं, एक ध्यान हैं, एक नमन हैं, एक आस्था हैं।
(29)- सतकर्म ही पूजा हैं।
(30)- पूजा कर्म नही हैं, पूजा हमारी आस्था एवं विश्वास हैं।
(31)- एक वृक्ष अवश्य लगायें।
(32)- नींद कम करने के लिए कम खायें।
(33)- सप्ताह में एक व्रत अवश्य रखें।
(34)- माता–पिता–पृथ्वी–चन्द्रमा व सूर्य साक्षात् भगवान हैं।
(35)- सत्कर्म ही प्रसिद्धी–समृद्वि एवं ख्याति की कुंजी हैं।
(36)- कुछ समय दूसरों के लिए।
(37)- स्वयं का चिन्तन अवश्य करें।

क्रमशः ... 2

(38)- स्वस्थ रहने के लिए कम खाना भी एक औषधी हैं।
(39)- स्वच्छता का ध्यान रखें।
(40)- स्वयं को प्रतिबिंब साबित करें।
(41)- हर बुराई हमें आत्म चिन्तन का मौका देती हैं।
(42)- अपनी कठिनाईयों को दूसरो से शेयर करें।
(43)- पत्नी पर हाथ उठाकर स्वयं को कायर सिद्व न करें।
(44)- विकास की राजनीति ही एक चाणक्य नीति हैं।
(45)- कठोर परिश्रम असंभव को संभव करता हैं।
(46)- किस्मत के सामने झुकने के बजाय कर्मो के दम पर स्तंभ बनें।
(47)- दूसरों की आलोचना उचित नहीं।
(48)- जरूरत से ज्यादा हर चीज परेशान करती हैं।
(49)- समूह में काम करने से व्यक्तित्व निखरता हैं।
(50)- जितना ज्यादा परिश्रम उतनी ज्यादा सफलता।
(51)- समय बलवान हैं।
(52)- विचार–समय व शासन परिवर्तनशील हैं।
(53)- स्वस्थ रहने के लिए योग और मौन जरूरी हैं।
(54)- समाचार हमें विश्व से जोडने व ज्ञान बढाने का पूर्ण मौका देते हैं।
(55)- कर्मचारियों को अपना परिवार माने।
(56)- विकलांगो को सदैव जीवन उपयोगी बातें ही बतायें।
(57)- हमारा ज्ञान जब कर्म बनके चमकता हैं तो हमें प्रतिबिंब बनाता हैं।
(58)- काम–घर–परिवार–समाज में तालमेल जरूरी हैं।
(59)- तन–मन–धन का दुरूपयोग न करें।
(60)- किसी भी बेकार वस्तु की रिसाइकिलिंग अवश्य करें।
(61)- अपनी दिनचर्या सुनिश्चित करें।
(62)- पुरानी चीजे जरूरतमंदो को दे दे।
(63)- गरीब नहीं जरूरतमंद हैं हर कोई।
(64)- राष्ट्र हित में कर देना जरूरी हैं।
(65)- समय–समय पर अपने टेस्ट के प्रवचन अवश्य सुनें।
(66)- मन को मारकर कुछ काम न करें।
(67)- अपना प्रतिदिन का चिन्तन अवश्य लिखें।
(68)- अब भारत में 90 प्रतिशत से 95 प्रतिशत तक वोटिंग सम्भव।
(69)- 30 प्रतिशत बिजली बचत, 30 प्रतिशत ज्यादा काम, 30 प्रतिशत कम रोगी अब भारत में सम्भव।
(70)- अपने प्रतिद्वंद्वियों से अवश्य सीखें।
(71)- स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा हमें आगे बढने के लिए प्रेरित करती हैं।
(72)- सभी की साथ मित्र भाव रखें।
(73)- पक्षियों को भगवान समझकर अनाज खिलायें।
(74)- काम को लिखकर करें।
(75)- हमारी योजनाऐं हमें कुछ कर गुजर जाने को कहती हैं।
(76)- आंख में बासी थुक प्रातः गेरने से आंख की रोशनी अच्छी रहती हैं।

क्रमशः ... 3

(77)- शस्त्र हमारा स्वाभिमान हैं, जरूरत नहीं।
(78)- दान देने से बेहतर कर्जदार का भुगतान करना हैं।
(79)- कभी–कभी आउटिंग भी जरूरी हैं।
(80)- व्यायाम हमें प्रातः उठने को प्रेरित करता हैं।
(81)- भविष्य निधि अवश्य बनायें।
(82)- महापुरूषों की जीवनी हमें चिन्तन देती हैं।
(83)- हर काम हमारा गौरव हैं।
(84)- किस्मत जीतने नही देती मैं हार मानने को तैयार नहीं।
(85)- सरकारी संसाधन हमारी सम्पत्ति हैं।
(86)- कुशल लोगो का राजनीति में न आना स्वयं को अकुशल हाथो में सौपना हैं।
(87)- योजनाऐं विकास का मार्ग हैं।
(88)- धन बिना पैर के चलता हैं।
(89)- पैसा बहुत कुछ हो सकता है, सबकुछ नहीं।
(90)- टीम वर्क हमें मजबूत बनाती हैं।
(91)- हर मुश्किल का समाधान हमें चिन्तक बनाती हैं।
(92)- सिद्ध स्थानो पर जन सुविधाऐं अति आवश्यक हैं।
(93)- किसी चीज को बदलने का मतलब कुछ कष्ट सहना हैं।
(94)- हमारे कामों की क्वालिटी ग्राहकों की अपेक्षाओं से ज्यादा हो।
(95)- हम हर स्थान पर सहयोगी बनें अर्थात् बाधक नहीं।
(96)- हर व्यक्ति हमें सिखाता हैं।
(97)- हर रोड एक नया काम अवश्य करें।
(98)- किसी को भीख देने की बजाय उसे सतकर्म करने के लिए प्रेरित करना ज्यादा अच्छा है।
(99)- सरकार को हर काम में पारदर्शिता बनाये रखना जरूरी हैं।
(100)- कडवे सच को सदैव पियो, अमृत बन जायेगा।
(101)- भारत में अनिवार्य वोटिंग भी सुविधाजनक वोटिंग स्वयं ही 95 प्रतिशत तक वोटिंग सम्भव कर देगें।
(102)- मुस्कुराकर बात करने से कठिन कार्य भी सम्भव होते हैं।
(103)- एक बोल प्यार का मरूस्थल को भी हरा भरा बनाता हैं।
(104)- भारत की विभिन्न कलचर, भाषाऐं व खान पान हमारी एक जुटता का परिचय हैं।
(105)- धर्म के नाम पर विकास में आने वाली समस्याओं का तत्काल निवारण।
(106)- अधिकतर लोग कम खाने से स्वस्थ व सत्कर्म योगी बनते हैं।
(107)- ज्यादा खाना बिमारियों को पालने का रास्ता हैं।
(108)- कागज–पैसिंल को अपना मित्र बनाओं।

130 करोड़ भारतीयों के हित में लिखी गई 108 महत्वपूर्ण बातें याद रखकर आगे बढ़ना है।

पूर्ण सम्मान एवं थुभकामनाओं सहित,

आपका,

(सत्यप्रकाथ रेशू) 9837058160

रेशू चौक, रेशू विहार, सरकुलर रोड,

मुजफ्फरनगर – (251001) उ0प्र0